वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 210 | शुक्रवार 25 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री का करौली दौरा : पंचकल्याणक व महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम

भगवान महावीर के सन्देश आज भी प्रासंगिक: गहलोत

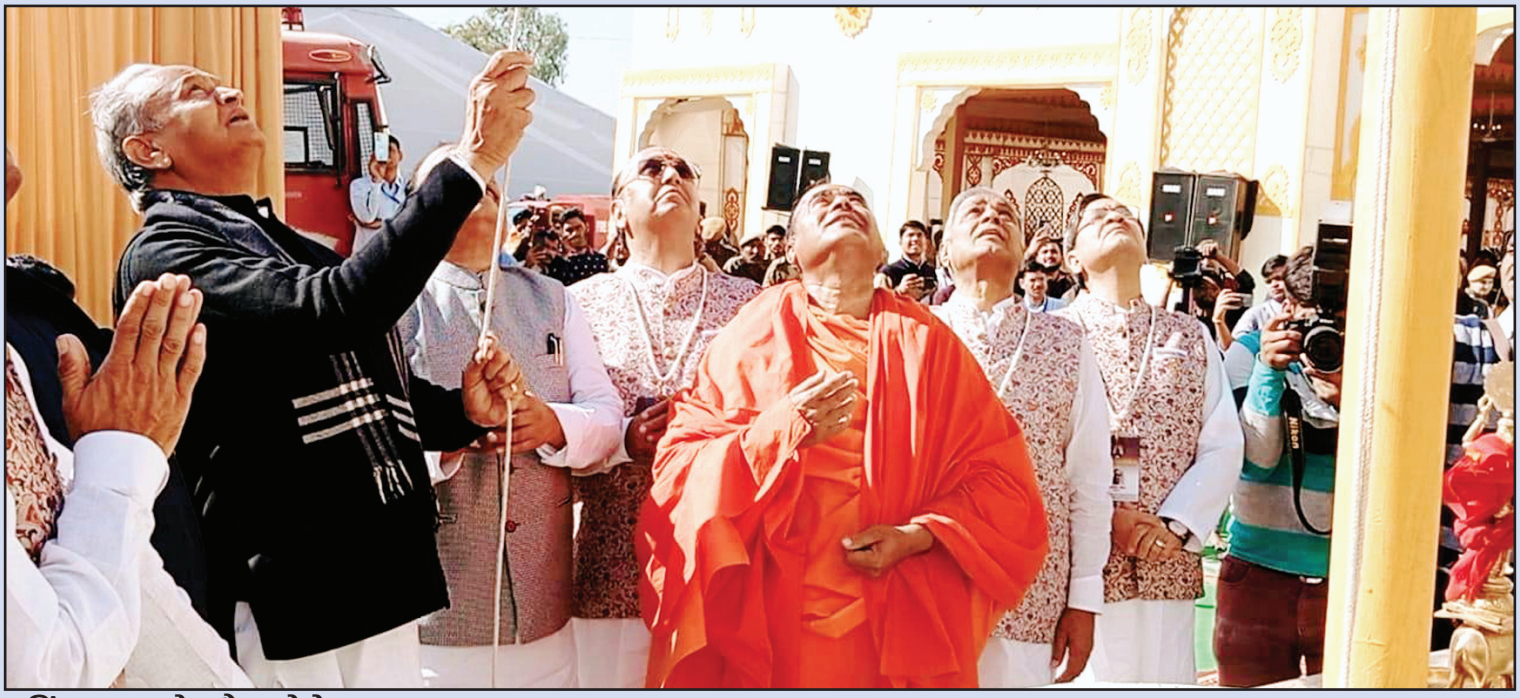

अहिंसा का सन्देश फैलाने के लिए सरकार ने बनाया शांति एवं अहिंसा विभाग

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश और दुनिया में भगवान महावीर की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। जहां शान्ति और अहिंसा का वातावरण होता है, वहीं ईश्वर का निवास होता है। सारे विश्व के बुद्धिजीवी भारत की पुरातन संस्कृति का सम्मान करते हैं, जिसका मूल कारण इसमें शान्ति और अहिंसा का निहित होना है। मुख्यमंत्री गुरूवार को करौली के महावीरजी में पंचकल्याणक महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंचकल्याणक महोत्सव का झण्डारोहण कर शुभारम्भ करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाओं से प्रभावित होकर ही महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के विचारों को धारण किया। इन्हीं विचारों से ही देश में स्वतन्त्रता आंदोलन प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तीर्थ स्थल महावीरजी के विकास के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। महावीरजी मे विगत वर्शों से शिक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता सहित अन्य क्षेत्रों मे उत्कृष्ट प्रबन्धन के साथ मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया गया है। गहलोत ने मन्दिर परिसर में बनाए गए म्यूजियम की सराहना करते हुए कहा कि विशिष्ट शैली में निर्मित इस म्यूजियम में बहुत ही सुन्दर मूर्तियों की स्थापना की गई है।

कार्यक्रम से मिल रहा समरसता का सन्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचकल्याणक महोत्सव से पूरे प्रदेश में सामाजिक समरसता का संदेश जा रहा है। महोत्सव के अन्तर्गत होने वाली गतिविधियों में विभिन्न समुदायों की भागीदारी रहती है, जिससे समाज में भाईचारे की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मस्थलों में उनके द्वारा की जाने वाली प्रार्थनाओं के मूल में प्रत्येक मानव के कल्याण की बात होती है। गहलोत ने कहा कि शान्ति, अहिंसा एवं सामाजिक समरसता की स्थापना से ही समाज का विकास सम्भव है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान महावीर की 24 फीट की प्रतिमा की स्थापना पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने महामस्तकाभिषेक व पंचकल्याणक महोत्सव के ध्वजारोहण के पश्चात मंदिर में भगवान श्रीमहावीरजी के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने पंचकल्याणक व महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम की स्मारिका का भी विमोचन किया।

अहिंसावादी शिक्षाओं के प्रसार के लिए बना विभाग

गहलोत ने कहा कि बाल्यकाल से ही उन्हें भगवान महावीर की शिक्षाओं से परिचित होने का अवसर मिला। सत्य और अहिंसा की विचारधारा को प्रसारित करने के लिए राज्य में शान्ति एवं अहिंसा विभाग की स्थापना की गई है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश में अहिंसावादी विचारों का व्यापक स्तर पर समावेश करने में विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। समारोह में पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्रसिंह, ग्रामीण व पंचायतराज मंत्री रमेश मीणा, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव, हिण्डौन विधायक एवं पूर्व मंत्री भरोसीलाल जाटव, करौली विधायक एवं डांग विकास बोर्ड अध्यक्ष लाखनसिंह, सवाईमाधोपुर विधायक दानिश अबरार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागीय आयुक्त भरतपुर सांवरमल वर्मा, जिला कलक्टर करौली अंकित कुमार सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक करौली नारायण टोगस सहित प्रशासनिक अधिकारी व भारी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

कल्याण मंदिर विधान सर्व उपद्रव को नष्ट करने वाला एवं सर्व सिद्धि दायक विधान हैं : मुनिश्री विशल्य सागरजी महाराज

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

पहली बार श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के नवीन वेदी में 1008 पार्श्वनाथ भगवान विराजमान होने के बाद पू श्रमण मुनिश्री 108 विशल्य सागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में विश्व शांति कल्याण मंदिर विधान का आयोजन हुवा ।जिसमे प्रातः 1008 पुष्पदंत नाथ भगवान की प्रतिमा पर अभिषेक एवम विश्व शांतिधारा समाज के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इसके पश्चात 1008 पुष्पदंत नाथ भगवान का मगसिर शुक्ल प्रतिपादाम को जन्म और तप कल्याणक भक्ति भाव के साथ मनाया ओर समाज ने भक्ति भाव के साथ श्री चरणों मे अर्घ समर्पित किया गया इस अवसर पर झारखण्ड राजकीय अतिथि श्रमण मुनि श्री108 विशल्यसागर जी गुरुदेव की मंगल उद्बोधन सुनने का सुअवसर भी मिला। पू. गुरुदेव ने कहा कि यह कल्याण मंदिर विधान सर्व उपद्रव को नष्ट करने वाला एवं सर्व सिद्धि दायक विधान है यह विधान सातिशय पुण्यवर्धक है, हमारा जीवन कल्याण का मंदिर बन जाए। हम भगवान की भक्ति करते समय एक ही भावना भाते है कि मेरा कल्याण हो,जग का कल्याण हो। आराधना करते -करते हमारा जीवन भी आराध्य बन जाएं आराधना करना जीवन में विराधना नहीं। भव-भव में विराधना की ।अब सम्यक आराधना हो जाएं। दर्शन हो तो ऐसा की दृष्टि में बस जाएं,जहाँ दृष्टि में इष्ट बस जाता है वह अनिष्ट नहीं है जो

परमात्मा को जानता है वह भक्त कहलाता है जो भक्त होता है वही एक दिन जिन बन जाता है सच्चा भक्त चमत्कार को नमस्कार नहीं करता बल्कि नमस्कार में चमत्कार देखता है जिसकी दृष्टि में प्रभु का वास हो, वह सम्यक दृष्टि होता है। प्रभु के पास सम्यकदर्शन मिलता है, जिनवाणी के पास ज्ञान मिलता है एवं गुरुओं के पास सम्यक चारित्र मिलता है और तीनों एक साथ मिल जाएँ तो रत्नत्रय का फूल खिलता है।आज का संगीत मय पूजन सुबोध आशा गंगवाल के द्वारा किया गया ।साथ है, सभी कार्यक्रम अलका दीदी, भारती दीदी,अभिषेक पंडित के निर्देशन में हुआ। इस अवसर पर समाज के मंत्री ललित सेठी, सहज चातुर्मास संयोजक सुरेन्द जैन,स्कूल संयोजक सुनील छाबडा, मनोज सेठी, अजित गंगवाल, प्रकाश गंगवाल,नीलम सेठी,रानी छाबडा, उषा सेठी आदि सेकड़ो लोग उपस्थित थे। **कोडरमा मीडिया प्रभारी नविन जैन, राज कुमार अजमेरा**

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा गायों को चारा वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सेवा सप्ताह के दौरान दिनांक 23नवंबर को सुनील सोगानी के जन्म दिवस के पावन अवसर पर गोपाल गौशाला सांभर में गायों को चारा एवं गुड़ का वितरण किए। संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य समन्वय सुनील सोगानी, राकेश जैन,रोहित जैन, मुनिया सोगानी तथा ग्रुप के कई सदस्यगण उपस्थित थे।

तत्वों के ज्ञान के बिना दु:खों से मुक्ति संभव नहीं : डॉ सुनील संचय

मुंबई में राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया शोधालेख, जैनदर्शन में वर्णित हैं सात तत्त्व

ललितपुर. शाबाश इंडिया। नगर के युवा मनीषी डॉ सुनील जैन संचय ने शिरशाड मुंबई में आचार्य वसुनंदी जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में सौमैया विद्या विहार विश्वविद्यालय मुंबई के तत्वावधान में आयोजित आगमनिष्ठ राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में 'तत्त्व का स्वरूप एक अनुचिंतन, तत्त्व सारो के परिपेक्ष्य में' शोधालेख प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत करते हुए डॉ सुनील जैन संचय ने कहा कि तत्वज्ञान को जीवन में उतारकर ही सच्चे अर्थ में उन्नति हो सकती है। तत्वों के ज्ञान के बिना दुखों से मुक्ति संभव नहीं है, ऐसा जैन दर्शन का दृढ़ विश्वास है। तत्वों के यथार्थ ज्ञान से मानव का पदार्थ विषयक संशय दूर होता है। संशय दूर होने से श्रद्धा होती है। शुद्ध श्रद्धा होने से मानव पुनः पाप नहीं करता है। जब पुनः पाप नहीं होता, तब आत्मा संवृत्त होता है। संवृत्त आत्मा तप के द्वारा संचित कर्मों का क्षय करके कमशः तथा समस्त कर्मों का पूर्ण क्षय करके अंत करके मोक्ष को प्राप्त होता है। आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज ने 'तच्च सारो'ग्रन्थ प्राकृत भाषा में लिखकर बहुत बड़ा उपकार किया है। इस कृति का प्रणयन कर आपने प्राकृतवाङ् मय की श्रीवृद्धि में महनीय योगदान किया है। पूज्यश्री ने 156 अनुष्टुप छंद काव्यों में यह ग्रंथ लिखा है जो अत्यंत ही रोचक है। सात तत्वों को सरल-सुगम एवं हृदयग्राही भाषा शैली में प्रकट किया है। अध्यात्म और दर्शन के कठिन और दुरूह विषयों को भी अपनी अनूठी माधुर्यमय शैली में प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि जैनदर्शन में जीव, अजीव, आस्रव, बंध, संवर, निर्जरा और मोक्ष ये सात तत्त्व हैं जैन दर्शन में तत्व का आधारभूत और महत्वपूर्ण स्थान है। जीवन का तत्व से और तत्व का जीवन से परस्पर एवं प्रगाढ सम्बंध रहा है। तत्व को जानने वाला, वस्तु संदर्भ समझने वाला, स्व-पर भेद जानने वाले तत्वज्ञानी को कोई दुखी नहीं कर सकता और तत्वज्ञान से अनुपयोगी जीव को सुखी नहीं किया जा सकता। इस मौके पर संगोष्ठी के निर्देशक प्रोफेसर जयकुमार उपाध्ये श्रवणवेलगोला (कर्नाटक), संयोजक प्रतिष्ठाचार्य मनोज शास्त्री आहार, प्रो जिनेंद्र जैन उदयपुर, डॉ सुरेन्द्र जैन भारती बुरहानपुर, डॉ अनिल जैन जयपुर, डॉ सुद्धात्म प्रकाश मुंबई, डॉ अरिहंत मुंबई, डॉ पंकज इंदौर, डॉ शैलेष जैन, डॉ राजेश शास्त्री, मुकेश शास्त्री, प्राचार्य विनीत, अखिलेश शास्त्री, संजय भैया, पंडित कमल कोलकाता, डॉ आशीष, डॉ बाहुबली आदि प्रमुख विद्वान उपस्थित रहे।

डांस के सितारे प्रतियोगिता का आयोजन 5 दिसम्बर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष नवीन सेन जैन एवं जयपुर रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने आज बैंक ऑफ बडोदा के अंचल प्रमुख महाप्रबंधक के के कासलीवाल को बैंक द्वारा स्पॉन्सर्ड डांस के सितारे प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया। इस अवसर पर जयपुर रीजन के नए क्षेत्रीय प्रमुख सहायक महाप्रबंधक मनोज गुप्ता का माल्यार्पण एवं दुपट्टा उडाकर सम्मान किया गया। राजस्थान जयपुर रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या ने बताया कि रीजन की प्रतियोगिता 5 दिसंबर को जयपुर में होगी तथा राष्ट्रीय फिनाले 7 जनवरी को उज्जैन में आयोजित किया जाएगा। केके कासलीवाल व मनोज गुप्ता ने डांस के सितारे प्रतियोगीता की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

जरूरतमन्द 100 विद्यार्थियों को स्वेटर, जुराब वितरित किये गए

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

श्रीमती राजा देवी बड़जात्या धर्मपत्नी संतोष बड़जात्याजयपुर निवासी जवाई (मेघालय)प्रवासी के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में स्थानीय राजकीय झंवर उच्च मा विद्यालय में जरूरतमन्द 100 विद्यार्थियों को स्वेटर,जुराब वितरित किये गए। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अध्यक्ष पवन माहेश्वरी की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुजानगढ़ पंचायत समिति की प्रधान श्रीमती मनभरी देवी मेघवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों को अनुशासन, समय की प्रतिबद्धता, कठोर मेहनत के साथ शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़कर देश और समाज का नाम रोशन करना चाहिए, माहेश्वरी ने बड़जात्या परिवार व समिति द्वारा समय समय पर जन हितार्थ सामाजिक कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। समिति की अध्यक्ष उषा बगड़ा अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सा शिविर के माध्यम से जरूरतमंदों रोगियों की मदद व आमजन हेतु निशुल्क ऑक्सीजन सिलेंडर, व्हील चेयर, हाइड्रोलिक बेड इत्यादि सेवा नगर में काफी समय से अनवरत जारी है। व शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न विद्यालयों में बैग वितरण, वाटर कूलर लगवाकर समिति अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन कर रही है।कार्यवायक प्राचार्य संतरा चौधरी ने समिति के सेवा कार्यों की सराहना की व प्रस्तुत सहयोग के लिए समिति का आभार व्यक्त किया। बतौर विशिष्ठ अतिथि, वरिष्ठ भाजपा नेता विष्णुदत त्रिवेदी,दिगम्बर जैन समाज के उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा समिति के सचिव विनीत बगड़ा, उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी, कोषाध्यक्ष महक पाटनी,मंजू देवी बाकलीवाल मंचस्थ थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के परम सरक्षक कंवरीलाल काला जयपुर, पारसमल बगड़ा का उल्लेखनीय सहयोग रहा।विष्णुदत्त त्रिवेदी ने अपना उद्बोधन दिया। सुजलांचल विकास मंच समिति के सदस्यों का विद्यालय स्टाफ कार्यवाहक प्रधानाचार्य श्रीमती संतरा चौधरी, हरिप्रसाद टेलर, विकास प्रजापत, रामलाल गुलेरिया,सीताराम मीणा, आसूराम खटीक,निखिल टेलर, पवन शर्मा, श्रीमती कंचन स्वामी, श्रीमती राजकंवर,श्रीमती नीतू जांगिड, श्रीमती मंजू ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन बोदूराम शास्त्री ने किया।

वेद ज्ञान

इंसान के लिए कुछ भी असंभव नहीं

मनुष्य के लिए कुछ भी असंभव नहीं है, लेकिन दुख की बात है कि उसे स्वयं पर ही विश्वास नहीं होता कि उसके भीतर इतनी शक्तियां विद्यमान हैं। अस्तित्व में मौजूद हर वस्तु में ऊर्जा है। मनुष्य के भीतर भी ऊर्जा का असीम स्नोत है, लेकिन वह कभी यह विश्वास नहीं कर पाता है कि ऐसी अद्भुत और विलक्षण ऊर्जा उसके भीतर निहित है। मनुष्य अगर ठान ले, तो इस ऊर्जा की बदौलत कुछ भी कर सकता है। मनुष्य अपनी ऊर्जा को हर जगह खोजता है, लेकिन अपने भीतर झांककर नहीं देखता। वह हथेलियों से अपनी आंखें ढककर अंधकार की शिकायत जरूर करता है, लेकिन अपने भीतर नहीं झांकता। मनुष्य के लिए कुछ भी असंभव नहीं है, लेकिन दुख की बात है कि उसे स्वयं पर ही विश्वास नहीं होता कि उसके भीतर इतनी शक्तियां विद्यमान हैं। यदि मनुष्य अपनी मन की गहराइयों में जाए तो वह अपनी शक्तियों को पहचानकर और उनका इस्तेमाल करके असंभव कार्य को भी संभव कर सकता है। जो व्यक्ति अपनी भीतरी ऊर्जा से आत्मसात हुए वे भविष्य में महापुरुष व युगपुरुष कहलाए। दृढ़ आत्मविश्वासी मनुष्य का हर कार्य सफल होता जाता है। जैसे-जैसे मनुष्य को सफलता मिलती जाती है उसका विश्वास और दृढ़ होता चला जाता है। आत्मविश्वास के कारण ही मनुष्य के चरित्र-बल को शक्ति मिलती है। कुछ लोग अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके कार्य शुरू जरूर कर देते हैं, लेकिन मार्ग में आने वाली छोटी-छोटी बाधाओं से घबराकर वे कार्य को बीच में ही छोड़ देते हैं। इसके विपरीत दृढ़ आत्मविश्वासी लोग आशंका व भय से घबराए बगैर आशा और विश्वास के जरिये पूरे मनोयोग से कार्य को करते हैं और अंततः सफलता प्राप्त करते हैं। कार्य के असफल होने का भय मध्यम श्रेणी के व्यक्ति पर इस तरह हावी होने लगता है कि उसका आत्मविश्वास डगमगा जाता है और वे बीच रास्ते से भाग खड़े होते हैं। इसके विपरीत उत्तम श्रेणी के व्यक्ति कार्य की सिद्धि तक अपनी सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखते हैं। राह में कितनी ही बाधाएं क्यों न आएं, उनका आत्मविश्वास बिल्कुल नहीं डगमगाता और अंततः वे कार्य को पूर्ण करके ही दम लेते हैं। आत्मविश्वास से हमें जीवनी-शक्ति मिलती ही है, साथ ही जीने के लिए ऊर्जा भी प्राप्त होती है। जिस व्यक्ति का आत्मविश्वास दृढ़ होता है, वह कठिन से कठिन काम को भी पूरा कर सकता है।

संपादकीय

परंपराओं और कानूनों के बीच विवाद की स्थिति

समाज में प्रचलित परंपराओं और रीतियों में अगर कभी कोई खास पहलू किसी पक्ष के लिए अन्याय का वाहक होता है, तो उसके निवारण के लिए व्यवस्थागत इंतजाम किए जाते हैं। मगर ऐसे मौके अक्सर आते रहते हैं, जब परंपराओं और कानूनों के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है। नाबालिग बच्चों को उनके खिलाफ यौन अपराधों और शोषण से सुरक्षा देने के लिए पाक्सो कानून बनाया गया। जाहिर है कि बच्चे चाहे जिस भी धर्म के हों, उनके खिलाफ होने वाले अपराधों को इसी के तहत देखना और बरतना एक स्वाभाविक कानूनी प्रक्रिया है। मगर कई बार सामुदायिक परंपराओं के लिहाज से भी इस प्रावधान की प्रासंगिकता को कसौटी पर रखने की कोशिश की जाती है। केरल उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के बाद इसी द्वंद्व पर स्पष्ट राय दी है, जिसमें किसी

धर्म के तहत बनाए गए अलग नियम के मुकाबले पाक्सो कानून को न्याय का आधार बनाया गया है। अदालत की राय के मुताबिक, हालांकि मुसलिम पर्सनल ला में कानूनी तौर पर निर्धारित नाबालिगों की शादी भी मान्य है, इसके बावजूद पाक्सो कानून के तहत इसे अपराध माना जाएगा। केरल हाई कोर्ट के ताजा फैसले को बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसी तरह के मामलों में पहले तीन अन्य उच्च न्यायालयों ने अठारह साल से कम उम्र की लड़की की शादी के मामले को पर्सनल ला के तहत सही बता कर खारिज कर दिया था। पर केरल में एक सदस्यीय पीठ के सामने आए इस मामले में जांच के बाद एक अलग पहलू यह भी पाया गया कि नाबालिग लड़की के माता-पिता की जानकारी के बिना आरोपी ने उसे बहला-फुसला कर अगवा किया था। ऐसे में किसी भी धार्मिक कानून के दायरे में खुद भी इस पर विचार किया जाना चाहिए कि ऐसा विवाह कितना सही है। इसके अलावा, पाक्सो कानून की व्याख्या करते हुए अदालत ने साफ किया कि यह बाल विवाह और यौन शोषण के खिलाफ है और इस हिसाब से शादी होने के बाद भी किसी नाबालिग से शारीरिक संबंध बनाना कानूनी अपराध है। निश्चित तौर पर अब बच्चों के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों और शोषण के संदर्भ में पाक्सो कानून और किसी धर्म के विशेष नियमों के बीच की स्थिति को लेकर नई बहस खड़ी होगी। खासतौर पर इस तरह के मामलों में तीन अन्य अदालतों से जिस तरह से भिन्न फैसले आए थे, उसमें किसी एकरूप स्थिति की मांग पैदा होगी। लेकिन हिंदू, बौद्ध, सिख और ईसाई आदि से अलग मुसलमानों में शादी की न्यूनतम उम्र के संदर्भ में जो कानूनी व्यवस्था है, उसके मद्देनजर कई बार जटिल स्थिति बनती है। इसके बावजूद यह सवाल उठेगा कि अगर कोई कानून किसी अपराध से सभी बच्चों को सुरक्षा मुहैया कराने की बात करता है तो क्या किसी बच्चे को इसलिए इसके प्रावधानों के संरक्षण से वंचित कर दिया जाएगा कि वह किसी खास धार्मिक पहचान से संबद्ध है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

खोज और खबर

अगर किसी मामले की सुनवाई अदालत में चल रही हो, तो उससे जुड़ी खबरों के प्रकाशन और प्रसारण को लेकर निस्संदेह सावधानी बरतने की दरकार होती है। मगर कई मामलों में देखा जाता है कि मीडिया अपनी समांतर अदालत लगाकर उस पर फैसला सुनाने का प्रयास करता है। इससे निश्चित रूप से अदालती कार्यवाही में बाधा उपस्थित होती और जन मानस गुमराह होता है। इस प्रवृत्ति पर लंबे समय से अंगुलियां उठती रही हैं। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं लगाया जा सकता कि मीडिया केवल प्रेस विज्ञप्तियों के आधार पर खबरें प्रकाशित-प्रसारित करे। मामलों की तह तक जाने के लिए तमाम पत्रकार तरह-तरह से खोजबीन करते हैं, जो कि उनका धर्म भी है। उससे कई बार छिपाए जा रहे तथ्य उजागर होते हैं और अदालतों को असलियत तक पहुंचने में मदद मिलती है। मगर आबकारी नीति घोटाले के मद्देनजर एक आरोपी की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने आदेश दिया है कि मीडिया केवल सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी विज्ञप्तियों के आधार पर ही खबरें बनाए। याचिकाकर्ता का कहना था कि जांच एजेंसियों द्वारा इस मामले से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं मीडिया को चोरी-छिपे उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे आरोपी के रूप में उनके अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। दरअसल, दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में कथित घोटाले का मामला केंद्र और राज्य सरकार के बीच राजनीतिक खींचतान में उलझ गया है, इसलिए इसकी जांच पर भी कई बार संदेह जताए जा चुके हैं। आम आदमी पार्टी को लगता है कि जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही हैं। मगर अपनी राजनीतिक पक्षधरता की वजह से कोई आरोप लगाए तो उसे कितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, यह अदालतें अच्छी तरह जानती हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जब भी कोई महकमा प्रेस विज्ञप्ति जारी करता है, उसकी जवाबदेही भी उस पर होती है, जबकि चोरी-छिपे या किसी बुरे इरादे से मीडिया को सूचनाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, तो उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं कही जा सकती। आजकल कुछ पत्रकार जरूर सनसनीखेज सूचनाएं प्रकाशित या प्रसारित कर अपना नाम चमकाने का प्रयास करते देखे जाते हैं। विचित्र है कि ऐसे लोगों के खिलाफ निगरानी रखने वाले संगठन भी कोई कड़ा कदम नहीं उठाते। ताजा मामले में इसके लिए दिल्ली उच्च न्यायालय ने न्यूज ब्राडकास्टिंग एंड डिजिटल स्टैंडर्ड्स अथारिटी यानी एनबीडीए को भी फटकार लगाई है। इस तरह अब मीडिया केवल वही खबरें छापने या दिखाने को बाध्य है। मगर सवाल है कि इस आदेश के बाद मीडिया की खोजी पत्रकारिता की स्वतंत्रता का क्या होगा? क्या इससे यह ध्वनित नहीं होता कि मीडिया केवल प्रेस विज्ञप्तियों के आधार पर पत्रकारिता करे? इस तरह तो आरोपियों ने जो तथ्य छिपा रखे हैं उन्हें उजागर करने की जिम्मेदारी मीडिया निभा ही नहीं पाएगा! यह ठीक है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर मीडिया को किसी का मान-मर्दन करने का अधिकार नहीं मिल जाता, मगर पहले से ही कोई आरोपी यह कैसे तय कर सकता है कि उसके खिलाफ मीडिया गलत इरादे से छानबीन कर रहा है।

पंचकल्याणक स्थल पर भूमि शुद्धि विधान किया किया

इंदौर. शाबाश इंडिया

विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक मणि की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हेतु 30 नवंबर से 5 दिसंबर तक महावीर नगर में होने वाले श्री नेमिनाथ जिन बिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव स्थल की शुद्धि हेतु भूमि शुद्धि विधान पूजन की मांगलिक क्रियाएं महोत्सव समिति के तत्वाधान एवं विधानाचार्य पंडित अनिल शास्त्री के निर्देशन में की गई। इस अवसर पर महोत्सव समिति के अध्यक्ष हंसमुख गांधी ,मूर्ति प्रदाता परिवार आजाद कुमार, अमित कुमार जैन एवं सीए अशोक ममता खासगीवाला, भगवान के माता-पिता बने पदम सरोज काला,सौधर्म इंद्र, इंद्राणी विकास सोनल जैन एवं पात्र नेमी कुमार एवं कृष्ण बने संजय अग्रवाल एवं अतिशय राजेश मुक्ता जैन परिवार, पूर्व पार्षद आशा होलास सोनी, कीर्ति पांड्या उपस्थित थे।

आचार्य वैराग्यनन्दी महाराज का मंगल प्रवेश निवाई में 26 को

निवाई. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य पदमनन्दी महाराज के शिष्य आचार्य वैराग्यनन्दी महाराज ससंघ का 26 नवम्बर को सन्त निवास नसियां जैन मंदिर पर मंगल प्रवेश गाजेबाजे के साथ किया जाएगा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आचार्य वैराग्य नन्दी महाराज टोंक से मंगल विहार करके सोहेला बरुणी होते हुए निवाई पहुचेंगे। जौंला ने बताया कि आचार्य श्री पहाड़ी चूंगी नाका से बेन्डबाजो के साथ रवाना होकर बस स्टैंड सहित मुख्य मार्ग से होते हुए नसिया जी पहुचेंगे जहाँ पर समाज के लोगों द्वारा भव्य अगुवानी की जाएगी। इस दौरान जैन नसियां मे मंगल प्रवेश के पश्चात आचार्य श्री का पूजन किया जाएगा तत्पश्चात मंगल प्रवचन के बाद आहार चर्या सम्पन्न होगी। शाम को आरती प्रश्न मंच आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आचार्य श्री के निवाई आगमन को लेकर शहर में 21 सजावट तोरण द्वार , रंगोलियां , एवं जैन नसियां मंदिर में विशेष सजावट करके मंगल प्रवेश की तैयारियां की जा रही है जिसकी व्यवस्था में जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा पवन बोहरा सुशील गिन्दोडी सुरेश माधोराजपुरा हेमंत चंवरिया आदि लोग व्यवस्था मे जुटे हुए हैं।

पद्मप्रभु भगवान के महामस्तकाभिषेक एवं पंच परमेष्ठी विधान आयोजित हुआ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में बड़े बाबा मूलनायक पद्मप्रभु भगवान पर महामस्तकाभिषेक एवं पंच परमेष्ठी विधान आयोजित हुआ। विधानाचार्य पदम चंद काला के निर्देशन में प्रातः ज्ञान चंद गदिया एवं सौरभ पाटनी ने बड़े बाबा पदम प्रभु भगवान पर, अशोक कुमार बड़जात्या ने आदिनाथ भगवान पर, शिखर चंद छाबड़ा परिवार ने मुनीसुव्रत नाथ भगवान पर शांति धारा एवं अभिषेक किया एवं सभी प्रतिमाओं पर श्रावको द्वारा अभिषेक एवं शांति द्वारा की गई। इस उपरांत पंडित पदम चंद काला ने विधि- विधान पूर्वक पुण्यार्जक दिलीप पाटनी परिवार ने विधान पर मंगल कलश की स्थापना की ।विधान का शुभारंभ हुआ। श्रावक- श्राविकाएं नाचते- गाते वाद्य यंत्रों की मधुर धुन में विधान पर 143 अर्ग समर्पण किए ।विधान के समापन पर श्रीजी की महा आरती की गई। इस दौरान हीति के प्रथम जन्मोत्सव पर केक काटकर महिलाओं ने नृत्य कर

जन्मोत्सव मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद था।

आर्यिका सूत्र मति माताजी राघौगढ़ में 25 को, पिच्छीका परिवर्तन 26 को

कल्पद्रुम समवशरण महामंडल विधान में विशाल रथ यात्रा का आयोजन

राघौगढ़. शाबाश इंडिया

इस सदी के महान संत आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से धर्म नगरी राघौगढ़ में दिनांक 18 नवंबर से चल रहे श्री कल्पद्रुम समवशरण महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के अवसर पर विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए ज्येष्ठ आर्यिका सूत्र मति माताजी ने कहा आचार्य श्री के आशीर्वाद एवं वात्सल्य मयी मां आर्यिका रत्न आदर्श मति माताजी की पावन अनुकंपा से धर्म नगरी राघौगढ़ में तीन आर्यिका माता जी का चातुर्मास हुआ। चातुर्मास से अपूर्व धर्म प्रभावना हुई है सभी श्रावक श्राविकाओं ने बहुत कुछ सीखा है। आपने कहा आर्यिका रत्न आदर्श मति माताजी भी आरोंन से राघौगढ़ आने वाली थी, मगर बड़ी माता जी किसी व्यस्तता के कारण नहीं पधारी। वे राघौगढ़ पधारती तो और अधिक धर्म प्रभावना होती। विधान के आयोजन में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जेष्ठ पुत्र भरत चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा विशेष उत्साह एवं उमंग से निकली।भरत चक्रवर्ती बने अशोक कुमार भारिल्य बग्गी में अपनी पटरानी के साथ आगे आगे चल रहे थे यात्रा के जुलूस में 5 घोड़े तीन बैंड 9 बग्गी जिनमें प्रमुख पात्र बैठे थे। दिग्विजय यात्रा कार्यक्रम स्थल संत सुधा सागर धाम से प्रारंभ हुई। नगर के प्रमुख मार्गों से होकर यात्रा वापस सुधासागर धाम आयी। नगर वासियों ने भरत चक्रवर्ती का अपने अपने निवास पर तिलक लगाकर शाल ओढ़ाकर, वस्त्र भेंट कर, श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। आज प्रातः शांति धारा का सौभाग्य

संतोष कुमार सौरभ कुमार जैन गुना को मिला। विधान जी के आयोजन में भव्य समयशरण के समक्ष जैन महिला मंडल साड़ा कॉलोनी, आरोन कुंभराज की महिलाओं ने अष्टद्रव्य चढ़ाकर पूजन की। जैन पाठशाला कुंभराज के नन्हे-मुन्ने बालकों ने जरा याद करो कुबानीं शहीदों का नाटक मंचन किया। सत्येंद्र शर्मा कंठस्थ कला केंद्र दिल्ली के कलाकारों ने पांडवों द्वारा घोर कलयुग आने का संकेत नाटक मंचन किया। रात्रि 7:00 बजे श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर से महा आरती का जुलूस प्रारंभ हुआ। आज महा आरती करने का सौभाग्य जैन जागृति महिला मंडल राघौगढ़ को मिला। रात्रि में 100 धर्मेंद्र की सभा एवं भरत चक्रवर्ती का दरबार का सफल मंचन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राघौगढ़ में चातुर्मास करने वाली आर्यिका निष्काम मती जी, विरत मती जी, तथा मति जी का पिच्छीका परिवर्तन समारोह 25 नवंबर को आयोजित किया है पिच्छीका का भव्य जुलूस दोपहर 12:00 बजे श्री पारसनाथ श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर से प्रारंभ होगा जलूस संत सुधा सागर धाम आएगा यहां दोपहर 1:00 बजे पिच्छीका परिवर्तन समारोह प्रारंभ होगा।

अचार्य वैराग्यनंदी जी महाराज के मंगल प्रवेश में जैन समाज ने बिछाए पलक पावडे

टोंक तो हमारा गांव जैसा है, समाज हमारा परिवार : वैराग्य नंदी जी महाराज

मोहन सिंघल. शाबाश इंडिया

टोंक। परमपूज्य 108 पदम नंदीजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य108 वैराग्यनंदी जी महाराज के ससंघ का श्री दिगंबर जैननसिया में भव्य मंगल प्रवेश गाजेबाजे के साथ हुआ जहां उनके सानिध्य में अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात पंचामृत अभिषेक हुआ। इससे पूर्व आचार्य संघ मेहंदवास जैन मंदिर से प्रातःकाल 7:00 बजे विहार कर डिपो पर स्थित कल्पना गार्डन के पास पहुंचे जहां से जुलूस के रूप में मुख्य मार्ग होते हुए जैन नसिया मंगल प्रवेश हुआ जिसमें मार्ग में समाज द्वारा जगह-जगह आरती, पादप्रक्षालन एवं रंगोलियां बनाई गई एवं मुख्य मार्ग में 21 स्वागत तोरण गेट लगाए गए एवं बैंड बाजों की मधुर ध्वनि पर युवा शक्ति एवं महिलाएं भक्ति नृत्य के साथ मंगल प्रवेश हुआ जहां पर समाज के अध्यक्ष पदमचंद आड़रा, मंत्री धर्मेंद्र पासरोटियां, पप्पू नमक,कमल आड़रा, धर्मदाखिया, वीरेंद्र संघी, श्यामलाल जैन ,रमेश काला,तारा चंद बड़जात्या, आदि ने आरती एवं पाद प्रक्षालन किया तत्पश्चात आचार्य श्री नसिया परिसर में दर्शन करके उनके सानिध्य में अभिषेक शांतिधारा के पश्चात पंजा मृत अभिषेक का कार्यक्रम हुआ तत्पश्चात आचार्य श्री पंडाल में धर्म सभा संबोधित करने के लिए पहुंचे जहां पर चित्र का अनावरण टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल, भागचंद फुलेता विमल बारवास, नरेश बंसल विकासअग्रवाल एवम बाहर से आए महानुभव से चित्र अनावरण एवं पाद प्रक्षालन किया एवं शास्त्र भेट अंकुर पाटनी, कमल सर्राफ, ओम ककोड़, नीटू छामुनिया, अनिल सर्राफ, जिन धर्म प्रभावना समिति एवं मुनि सेवा समिति के द्वारा आयोजित हुआ तत्पश्चात आचार्य श्री ने अपने उद्बोधन में कहां की हमें जैन धर्म तो मिला है लेकिन हमें जैन धर्म पर विश्वास नहीं है णमोकार मंत्र की माला तो फेरते हैं लेकिन णमोकार मंत्र पर श्रद्धा नहीं है जिस दिन धर्म पर दृढ़विश्वास हो जाएगा तो हमारा जीवन सर्वोत्तम हो जाएगा आज तो टोंक आकर ऐसा लग रहा है कि जैसे मैं अपने परिवार में आया हूं कुलभूषण नंदी जी महाराज का यहां 1999 में चतुर्मास हुआ था । उसके बाद हमारा 2014 में चतुर्मास हुआ था। टोंक में आने के बाद आदिनाथ भगवान के दर्शन करने के बाद यहां से हम सम्मेद शिखरजी की यात्रा प्रारंभ करेंगे जिस टोंक से पारसनाथ की टोंक तक की यात्रा हमारी सफल हो ऐसी भावना आप सब निरंतर शांति धारा में भावे तत्पश्चात आचार्य श्री आहारचर्या के लिए लगभग 200 लोगों ने पड़गाहन किया। दोपहर में आदिनाथ भगवान के समक्ष शांति विधान मंडल का कार्यक्रम आयोजित किया गया सायकाल को प्रश्नमंच, स्वाध्याय, एवं भक्तामर पाठ का स्त्रोत किया गया।

गलतियों के शोधन का नाम है उन्नति और पुन: वृत्ति नहीं करने का नाम है क्षमा : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

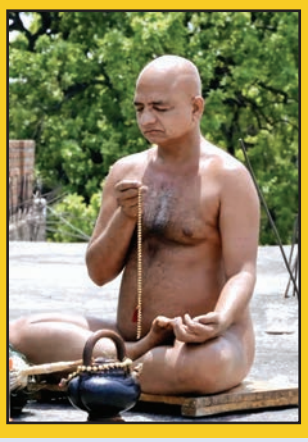

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। हम अपनी गलतियों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम गलती के प्रति ग्लानि महसूस कर सकते हैं। जो हमने किया है, या जो हमसे हुआ है उसके लिये नहीं, बल्कि जो कुछ हुआ है वो चाहे हमारे कारण से हो या किसी दूसरे के कारण से, हम अपने विवेक के द्वारा उस कृत्य को मन और चेतना के स्वभाव को जानकर, विशाल दृष्टिकोण अपनाकर उस कृत्य से सीख सकते हैं। गलती का अर्थ सिर्फ यह है कि तुम एक सबक सीखने का अवसर चूक गये। अपनी गलती पर विलाप मत करो। उससे शिक्षा लो कि तुम्हारी परख गलतियों से नहीं बल्कि तुम्हारी पहचान गुणों से है। गलतियां संसारिक है, सद्गुण परमात्मा प्रदत उपहार है। समझदार वही है जो गलतियों से सीखता है। कम बुद्धि वाला अपनी गलती का दोषारोपण दूसरे पर करेगा। मूर्ख एक गलती को बार बार करेगा और कभी नहीं सुधरेगा। इसलिए गलती सुधारने में आप कभी पीछे मत रहना बल्कि सुधारने में हमेशा तैयार रहना। गलती हो, उसे सहज स्वीकार करो और गलत फहमी हो, तो उसे दूर करो। **संकलन : नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

भक्ति भाव से मनाया जैन धर्म के 9 वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत नाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस

दिगम्बर जैन मंदिरों में हुए पूजा अर्चना के विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 9वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत स्वामी का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव गुरुवार,24 नवम्बर को भक्ति भाव से मनाया गया ।इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। अभादिजैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः भगवान पुष्पदंत स्वामी के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। तत्पश्चात श्री जी की पूजा अर्चना की

गई। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ। दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभू में गणिनी आर्यिका 105 श्री भरतेश्वर मती माताजी, टौक रोड पर गोरधन नगर के दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनीआर्यिका 105 विजयमति ससंघ के सानिध्य में विशेष आयोजन हुए। जैन के मुताबिक दिगम्बर जैन मंदिर जी छाबड़ा मनिहारो का रास्ता, जयपुर में सुबह 7.30 बजे जिन अभिषेक, नित्य नियम पूजा, शांति धारा के पश्चात पंडित रमेश गंगवाल के निर्देशन में 8.45 बजे से मंदिर जी के शिखर पर ध्वजा परिवर्तन का कार्यक्रम श्रेष्ठी राज कुमार, राकेश, पारस सोगानी एवं परिवार जनों द्वारा किया गया। सांगानेर के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज सहित कई मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए।

वर्षों बाद मिली विज्ञान संकाय की सौगात

सरपंच कमला चौधरी ने कहा हमारा सपना हुआ साकार

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया।

भैंसलाना। कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में काफी सालों से रिक्त चल रही विज्ञान संकाय खोले जाने की स्वीकृति बुधवार को जारी हुई। स्वीकृति की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में खुशी की लहर फेल गयी। जानकारी के मुताबिक लगभग 25 से भी अधिक वर्षों से विज्ञान संकाय की मांग की जा रही थी। अन्य गांवों को लाभ स्कूल में विज्ञान संकाय स्वीकृत होने से कस्बे सहित भादवा, श्यामपुरा,मंडा भीमसिंह, अनंतपुरा आदि गावों के विधार्थियो को भी लाभ मिल सकेगा। **गरीब परिवार के बच्चे भी पढ़ सकेंगे:** क्षेत्र में अनेकों गरीब परिवार जो अपने बच्चो को पढ़ाने तो चाहते हैं पर निजी स्कूल की फिस को देखकर पढ़ा नहीं पाते हैं स्कूल में विज्ञान संकाय खुलने से गरीब परिवारो के बच्चे भी पढ़ सकेंगे और पढ़कर अपने सपने पूरे कर सकेंगे। सरपंच कमला चौधरी ग्राम पंचायत भैंसलाना ने कहा कि कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान संकाय स्वीकृत हुआ है, जो मेरा और पूरे गांव का एक सपना था जो अब पूर्ण हुआ है। गांव के विकास के लिए प्रयत्नशील है गांव की हर कमी को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

वैष्णव ब्राह्मण सेवा समिति जिला अजमेर के तत्वावधान में

प्रथम नि:शुल्क आदर्श सामुहिक विवाह सम्मेलन 28 नवम्बर को पुष्कर में

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

नसीराबाद। वैष्णव ब्राह्मण सेवा समिति जिला अजमेर के तत्वावधान मे प्रथम निशुल्क आदर्श सामुहिक विवाह सम्मेलन मगसर सुदी पंचमी, सोमवार 28 नवम्बर को अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण चतुर्थ सम्प्रदाय भवन एंव शैक्षणिक ट्रस्ट वैष्णव धर्मशाला, बटबाय, बूढा पुष्कर रोड , पुष्कर मे आयोजित होगा ।समिति के मुख्य संयोजक रामस्वरूप वैष्णव (सराधना) ने जानकारी देते हुए बताया कि 27 नवम्बर को प्रातः 11 बजे ध्वजारोहण, 11.30 बजे विनायक स्थापना तेल एवं मंगलगान , दोपहर 3 बजे वर वधुओ का आगमन, सांय 5 बजे कलश व शोभायात्रा, सांय 7 बजे सहभोज व रात्रि 8.30 बजे समाजोत्थान हेतू आम सभा व महिला संगीत कार्यक्रम होगा।वही 28 नवम्बर को प्रातः 6.30 चाय नाश्ता, 9.30 बजे तोरण एंव वरमाला, 10.15 बजे पाणिग्रहण संस्कार, 10.30 बजे प्रीतिभोज एवं दोपहर 2 बजे आशीर्वाद व अतिथि सत्कार एवं विदाई समारोह होगा। 27 नवम्बर को आयोजित समाजोत्थान व आमसभा मे आशिर्वाद देने हेतू श्री श्री 1008 महन्त नन्दराम शरण जी महाराज (नवखणिडया हनुमान मन्दिर रामसखा आश्रम , पुष्कर) पधारेंगे। वहीं अध्यक्षता रामस्वरूप वैष्णव सराधना , मुख्य अतिथि उत्तम वैष्णव रा.यु अध्यक्ष (ताजपुरा) व श्यामसुंदर अग्रावत (सांवतसर) होंगे। वहीं 28 नवम्बर को अतिथि सत्कार एंव विदाई समारोह मे आशिर्वाद देने हेतू जगद्गुरु श्री श्री 1008 श्री श्यामशरण जी देवाचार्य (निम्बार्क पीठ सलेमाबाद) आएंगे।

गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी का 59वां अवतरण दिवस एवं ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह भक्ति भाव से सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरमति माताजी का 59 वां अवतरण दिवस एवं ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में 23 व 24 नवंबर 2022 को भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि कार्यक्रम में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन टीकेत नगर, लोहारिया, बांसवाड़ा के भक्त जनों ने किया। मंगलाचरण में भाव पूर्ण नृत्य की प्रस्तुति में गुरु मां की वन्दना श्रीमती इतिश्री काला एवं श्रीमती छवि पांड्या ने की। गुरु पूजा गुरु मां के भक्त जनों ने की। पाद प्रक्षालन स्वर्गीय श्री छोटेलाल जी प्रकाशी देवी जी जैन पांड्या खोरा वाले श्रीजी नगर दुर्गापुरा परिवार ने की। पिच्छिका गुरु मां को मोहन लाल ज्ञान चन्द जैन टोंक वाले परिवार ने गिरनार मति माताजी को महावीर प्रसाद थावर चंद जैन छाणी वाले परिवार ने एवं भव्य मति माताजी को प्रमोद कुमार श्रीमती सुचित्रा जैन मानसरोवर परिवार ने भेंट की। पुरानी पिच्छिका नई पिच्छिका भेंट करने वाले परिवार को दी गई। आर्यिका संघ को शास्त्र भेंट, वस्त्र भेंट एवं गुरु मां की आरती करने का पुण्य अर्जन करना जी.सी. जैन श्रीमती विशल्या जैन बड़जात्या परिवार इन्कमटैक्स कालोनी निवासी ने प्राप्त किया। गुरु मां की अष्ट द्रव्य से बड़े भक्ति भाव से पूजा इन्द्र इन्दाणियों ने साज सज्जा के साथ एवं श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर के सभी ट्रस्टी गण ने की। पूजा का संयोजन श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा जयपुर की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया मंत्री श्रीमती रानी सौगानी

ने किया। इसमें श्रीमती रेखा पाटनी एवं श्रीमती रेणु पांड्या ने विशेष सहयोग प्रदान किया। गणिनी आर्यिका श्री ने आशीर्वचन में बताया कि अहिंसा का पालन करने में पिच्छिका का बहुत बड़ा उपयोग है। महाव्रती धारी पिच्छिका रखकर अपने महाव्रत का पूर्ण पालन करते हैं। पिच्छिका वैराग्य की ओर ले जाने में प्रेरित करती है। कार्यक्रम में नरेंद्र जैन का मधुर संगीत एवं कमलेश बसंत ने एवं चेतन बाकलीवाल ने मंच संचालन किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चंद जैन चांदवाड़ ने आए हुए सभी अतिथि गणों समाज बंधुओं बाहर से पधारे हुए भक्तजनों विभिन्न कॉलोनियों से पधारे हुए श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

लेकसिटी में 17 दिवसीय एनआरआई शॉपिंग फेस्टिवल अंतिम दो दिन और

महिलाओं को आकर्षित कर रही है बनारसी साड़ियां व खेकड़ा बेडशीट्स

उदयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीकृष्णा आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट्स की ओर से नगर निगम प्रांगण में 17 दिवसीय एनआरआई शॉपिंग फेस्टिवल का समापन 27 नवम्बर को हो जाएगा। फेस्टिवल में बिहार की खेकडा बेडशीट्स की आकर्षक डिजाइन और टिकाउपन, बनारसी साड़ियों के साथ नॉर्मल रेंज की कश्मीरी वूलन शॉल महिलाओं को आकर्षित कर रही है। मेले में खरीदारी करने आयी गीता देवी ने बताया कि मेले में कश्मीरी स्टॉल पर हमने अपने बजट के हिसाब से वूलन शॉल खरीदी जो इस रेंज में शहर के बाजार में देखने को नहीं मिलती है। एक अन्य गृहिणी कौशल्या जैन ने बताया कि मेले में हमने बिहार की खेकड़ा बेड्शीट्स काफी किफायती रेंज में खरीदी। वो बोली मेले में आयी खुर्जा की पोटरी में कुछ नयापन देखने को मिला। कृष्णा आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स के योगेंद्र सिंह पिंटू बताते हैं मेले में लगी देश के विभिन्न प्रान्तों के प्रसिद्ध आइटमों की 70 से अधिक शॉप्स में सुबह 11 से रात 9 बजे तक खरीदारों की भीड़ देखी जा सकती है। वहीं एक युवा खरीदार आशा सोनी ने बताया कि इस मेले में उसने अपनी फ्रेंड्स के साथ जयपुरी जूतियां, लेडीज पर्स, ड्रेस मटेरियल एवं दुपट्टों की खरीद की। वे बताती हैं मेले में युवाओं में फैशन का हिस्सा बनती जा रही खादी के कुर्ते एवं शर्ट के अलावा जोधपुर के फर्नीशिंग आइटम तथा जयपुरी रजाइयां आमजन को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बता दें, पिछले दो सप्ताह से चल रही एन आर आई प्रदर्शनी में कश्मीर, बिहार के भागलपुर, उत्तर प्रदेश के झांसी, मेरठ, कोलकाता, खुर्जा, भदौही, सहारनपुर के शॉल, साड़ी, सूट्स, फैशन ज्यूलरी, होम फर्निशिंग, ब्रास के आर्टिकल्स, फर्नीचर और क्रॉकरी, पंजाब की फुलकारी, कांजीवरम की साड़ियां और तरह तरह के हैंड मेड पर्स और कश्मीर के पश्मीना शॉल सहित सैकड़ों उत्पाद शहरवासियों की पहली पसंद बने हुए हैं।

रिपोर्ट/फोटो:
राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल: 9829050939

रक्तदान करके दी श्रद्धांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री राजपूत सभा भवन परिसर में अधिवक्ता स्वर्गीय गुरु प्रसाद सिंह महणसर की याद में उनकी तृतीय पुण्यतिथि पर उनके परिजनों, मित्रों और अधिवक्ता साथियों द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, राजपूत सभा के महामंत्री बलवीर सिंह हाथोज, संगठन मंत्री धीर सिंह शेखावत, भाजपा नेता पूर्व चेयरमैन

भवानी सिंह राजावत,एडवोकेट करण राठौड़, जितेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, सहदेव सिंह शेखावत एडवोकेट शेर सिंह बागावास, प्रदुमन सिंह राजावत, बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के मेंबर कपिल माथुर, हाईकोर्ट बार के पूर्व महासचिव प्रहलाद शर्मा, जयपुर बार के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र नाथ तिवारी , अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह नरूका भाजपा नेता एडवोकेट खेम चंद शर्मा, बृजेंद्र सिंह शेखावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम आयोजक रूपम कंवर ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में करीब 71 यूनिट रक्तदान किया गया, जिससे सैकड़ों लोगों का जीवन बचाया जा सकेगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com